नोट -

1. नवीन छात्रों की उच्चारण शुद्धि हेतु अमरकोष पढ़ाएँ (समयानुसार)।
2. वेदमन्त्रों की अक्षुण्ण परम्परा को बनाए रखने हेतु प्रत्येक छात्र का उच्चारण एवं स्वर शुद्ध हो इसका विशेष ध्यान रखते हुए छात्रों को उच्चारण स्थान इत्यादि से परिचित कराये।
3. नवीन छात्रों से उनका गोत्र, शाखा इत्यादि ज्ञात कर उसको स्वशाखाध्ययन कराने का प्रयत्न करें।
4. प्रत्येक वर्ष के पाठ्यक्रम का गुरुमुख से सम्पूर्ण अध्यापन एवं स्वाध्याय पूर्वक कण्ठस्थीकरण उसी वर्ष में पूर्ण करना अनिवार्य है।
5. छात्रों को परम्परागत सस्वर अध्ययन पद्धति से ही वेद अध्यापन कराना अनिवार्य है। जैसे -

   16 सन्था पद्धति

   अथवा

   10 पाठ

   10 वल्लि/दशावृत्ति/सन्था
6. प्रत्येक माह के अन्त में (पढाये गए विषयों की) मासिक परीक्षा कर छात्रों के कण्ठस्थीकरण, उच्चारण आदि की स्थिति का अवलोकन करें। यदि न्यूनता हो तो पूर्ण करें।
7. छात्रों की उच्चारण शुद्धि एवं ज्ञानवर्धन के लिए प्रतिदिन प्रातः एवं सायं सन्ध्या के पश्चात् विष्णुसहस्रनाम, महिषासुरमर्दिनी स्तोत्रम्, दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्, अन्नपूर्णास्तोत्रम्, भजगोविन्दम्, प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्रम्, रामरक्षास्तोत्रम् इत्यादि स्तोत्रों का समयानुसार अभ्यास एवं पाठ करें, जिससे भारतीय परम्परा में श्रद्धा एवं उत्साह बना रहें।
8. गतवर्षों का पाठ्यक्रम छात्र को कण्ठस्थ है या नहीं ज्ञात करने हेतु परीक्षण (Assessment) किया जाएगा।
9. परीक्षक को विगत सभी वर्षों के पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछने का पूर्ण अधिकार होगा।
10. सस्वर वेदाध्ययन करने वालों की संख्या शनैः शनैः क्षीण हो रही है। अतः श्रद्धावान्, मेधावान् एवं दार्ढ्य बुद्धि वाले छात्रों की वेदाध्ययन में रुचि उत्पन्न करने हेतु आवश्यक प्रयत्न करना।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा पाठ्यक्रम

<table>
<tr><th colspan="6">वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)</th></tr>
<tr><td colspan="6">त्रिकालसंध्या । भोजनविधि । प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्र । समिदाधानप्रयोग । रामरक्षास्तोत्र । ब्रह्मयज्ञप्रयोग । विष्णुसहस्त्रनाम । वैश्वदेवप्रयोग । गीता अध्याय 12, 15 । यज्ञोपवीतधारणप्रयोग । संहिता अध्याय 1-3 ।</td></tr>
<tr><th>क्रमांक</th><th>माह / पक्ष</th><th>पाठ्यक्रम बिन्दु</th><th>मन्त्र संख्या</th><th>अंक</th><th>अध्ययन-अध्यापन</th></tr>
<tr><td>1</td><td>प्रथम माह</td><td>त्रिकालसंध्या</td><td></td><td>10</td><td rowspan="11">1. प्रत्येक विषय के कण्ठस्थीकरण के लिये न्यूनतम 16 सन्था करें।
2 पादार्ध, पाद, मन्त्रार्ध और पूर्ण मन्त्र इस क्रम से सन्था करें। उदा. 2 सन्था पादार्ध की, 3 सन्था पाद की, 5 सन्था मन्त्रार्ध की, 6 सन्था सम्पूर्ण मन्त्र की
3. सन्था पद्धति से प्रत्येक विषय कण्ठस्थ होने के उपरान्त विद्यार्थी वह विषय गुरु जी को सुनायें।
4. प्रत्येक अधीत विषय की प्रतिदिन न्यूनतम तीन बार आवृत्ति करें।
5. प्रथमवर्ष के पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय के अध्यापन पश्चात् छात्र का 16 सन्था पूर्ण होने तक का अध्ययन अध्यापक की उपस्थिति में होना अत्यावश्यक है।</td></tr>
<tr><td>2</td><td>द्वितीय माह</td><td>भोजनविधि,
प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्र</td><td></td><td>10</td></tr>
<tr><td>3</td><td>तृतीय माह</td><td>समिदाधानप्रयोग,
रामरक्षास्तोत्र</td><td></td><td>10</td></tr>
<tr><td>4</td><td>चतुर्थ माह</td><td>ब्रह्मयज्ञप्रयोग,
विष्णुसहस्त्रनाम</td><td></td><td>10</td></tr>
<tr><td>5</td><td>पञ्चम माह</td><td>वैश्वदेवप्रयोग, गीता अध्याय 12, 15</td><td></td><td>10</td></tr>
<tr><td>6</td><td>षष्ठ माह</td><td>यज्ञोपवीतधारणप्रयोग</td><td></td><td>10</td></tr>
<tr><td>7</td><td>सप्तम माह</td><td>संहिता अध्याय 3 अनुवाक 1-4</td><td>36</td><td>10</td></tr>
<tr><td>8</td><td>अष्टम माह</td><td>संहिता अध्याय 3 अनुवाक 5-10</td><td>27</td><td>10</td></tr>
<tr><td>9</td><td>नवम माह</td><td>संहिता अध्याय 1</td><td>31</td><td>10</td></tr>
<tr><td>10</td><td>दशम माह</td><td>संहिता अध्याय 2</td><td>34</td><td>10</td></tr>
<tr><td colspan="3">नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।</td><td>128 मन्त्र</td><td>100 अंक</td></tr>
</table>

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा पाठ्यक्रम

<table>
<tr><th colspan="6">वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)</th></tr>
<tr><td colspan="6">संहिता अध्याय 4 से 12 । याज्ञवल्क्यशिक्षा ।</td></tr>
<tr><th>क्रमांक</th><th>माह / पक्ष</th><th>पाठ्यक्रम बिन्दु</th><th>मन्त्र संख्या</th><th>अंक</th><th>अध्ययन-अध्यापन</th></tr>
<tr><td>1</td><td>प्रथम माह</td><td>संहिता अध्याय 4, संहिता अध्याय 5 (अनुवाक 1 से 5)</td><td>58</td><td>10</td><td rowspan="11">1. प्रत्येक विषय के कण्ठस्थीकरण के लिये न्यूनतम 16 सन्था करें।
2 पादार्ध, पाद, मन्त्रार्ध और पूर्ण मन्त्र इस क्रम से सन्था करें। उदा. 2 सन्था पादार्ध की, 3 सन्था पाद की, 5 सन्था मन्त्रार्ध की, 6 सन्था सम्पूर्ण मन्त्र की
3. प्रथम वर्ष तथा वर्तमान वर्ष में अधीत सभी विषयों की प्रतिदिन आवृत्ति करें।
4. सन्था पद्धति से प्रत्येक विषय कण्ठस्थ होने के उपरान्त विद्यार्थी वह विषय गुरु जी को सुनायें।
5. याज्ञवल्क्यशिक्षा का अध्ययन डॉ. नरेश झा संपादित पुस्तक से करें।
6. इस वर्ष के पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय की 8 सन्था अध्यापक द्वारा तथा शेष सन्था स्वयं छात्र द्वारा होनी चाहिये।</td></tr>
<tr><td>2</td><td>द्वितीय माह</td><td>संहिता अध्याय 5 (अनुवाक 6 से 10), संहिता अध्याय 6 सम्पूर्ण</td><td>59</td><td>10</td></tr>
<tr><td>3</td><td>तृतीय माह</td><td>संहिता अध्याय 7 सम्पूर्ण, संहिता अध्याय 8 (अनुवाक 1 से 5)</td><td>62</td><td>10</td></tr>
<tr><td>4</td><td>चतुर्थ माह</td><td>संहिता अध्याय 8 (अनुवाक 6 से 23), संहिता अध्याय 9 (अनुवाक 1 से 2)</td><td>58</td><td>10</td></tr>
<tr><td>5</td><td>पञ्चम माह</td><td>संहिता अध्याय 9 (अनुवाक 3 से 8), संहिता अध्याय 10 सम्पूर्ण</td><td>65</td><td>10</td></tr>
<tr><td>6</td><td>षष्ठ माह</td><td>संहिता अध्याय 11 (अनुवाक 1 से 5),</td><td>60</td><td>10</td></tr>
<tr><td>7</td><td>सप्तम माह</td><td>संहिता अध्याय 11 (अनुवाक 6 से 7), संहिता अध्याय 12 (अनुवाक 1 से 3)</td><td>67</td><td>10</td></tr>
<tr><td>8</td><td>अष्टम माह</td><td>संहिता अध्याय 12 (अनुवाक 4 से 7)</td><td>73</td><td>10</td></tr>
<tr><td>9</td><td>नवम माह</td><td>याज्ञवल्क्यशिक्षा - अथातः स्त्रैस्वर्य. से उच्चस्थानगते. पर्यन्त</td><td></td><td>10</td></tr>
<tr><td>10</td><td>दशम माह</td><td>याज्ञवल्क्यशिक्षा - स्वरास्पर्शान्तः से समाप्ति पर्यन्त</td><td></td><td>10</td></tr>
<tr><td colspan="3">नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।</td><td>502 मन्त्र</td><td>100 अंक</td></tr>
</table>

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)

संहिता अध्याय 13 से 20 । पारस्करगृह्यसूत्र प्रथम काण्ड सम्पूर्ण ।

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम माह	संहिता अध्याय 13 सम्पूर्ण	53	5	1. प्रत्येक विषय के कण्ठस्थीकरण के लिये न्यूनतम 16 सन्था करें। 2 पादार्ध, पाद, मन्त्रार्ध और पूर्ण मन्त्र इस क्रम से सन्था करें। उदा. 2 सन्था पादार्ध की, 3 सन्था पाद की, 5 सन्था मन्त्रार्ध की, 6 सन्था सम्पूर्ण मन्त्र की 3. प्रथम वर्ष से अधीत सभी विषयों की प्रतिदिन न्यूनतम 2 घंटे आवृत्ति करें। 4. सन्था पद्धति से प्रत्येक विषय कण्ठस्थ होने के उपरान्त विद्यार्थी वह विषय गुरु जी को सुनायें। 5. इस वर्ष के पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय की 8 सन्था अध्यापक द्वारा तथा शेष सन्था स्वयं छात्र द्वारा होनी चाहिये।
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	1-2 कंडिका	5	
2	द्वितीय माह	संहिता अध्याय 14 सम्पूर्ण संहिता अध्याय 15 (अनुवाक 1-4)	50	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	3-4 कंडिका	5	
3	तृतीय माह	संहिता अध्याय 15 (अनुवाक 5-7) संहिता अध्याय 16 (अनुवाक 1)	62	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	5-6 कंडिका	5	
4	चतुर्थ माह	संहिता अध्याय 16 (अनुवाक 2-9) संहिता अध्याय 17 (अनुवाक 1-2)	65	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	7-9 कंडिका	5	
5	पञ्चम माह	संहिता अध्याय 17 (अनुवाक 3-7)	64	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	10-12 कंडिका	5	
6	षष्ठ माह	संहिता अध्याय 17 (अनुवाक 8-9) संहिता अध्याय 18 (अनुवाक 1-9)	57	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	13-17 कंडिका	5	
7	सप्तम माह	संहिता अध्याय 18 (अनुवाक 10-13) संहिता अध्याय 19 (अनुवाक 1)	51	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	18 कंडिका	5	
8	अष्टम माह	संहिता अध्याय 19 (अनुवाक 2-6)	68	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	19-20 कंडिका	5	
9	नवम माह	संहिता अध्याय 19 (अनुवाक 7) संहिता अध्याय 20 (अनुवाक 1-4)	51	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	21 कंडिका	5	
10	दशम माह	संहिता अध्याय 20 (अनुवाक 5-9)	55	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	22-24 कंडिका	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			576 मन्त्र 24 कंडिका	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)					
संहिता अध्याय 21 से 30 । पारस्करगृह्यसूत्र 2 काण्ड सम्पूर्ण ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	संहिता अध्याय 21 (अनुवाक1-4)	40	5	1. प्रत्येक विषय के कण्ठस्थीकरण के लिये न्यूनतम 16 सन्था करें। 2 पादार्ध, पाद, मन्त्रार्ध और पूर्ण मन्त्र इस क्रम से सन्था करें। उदा. 2 सन्था पादार्ध की, 3 सन्था पाद की, 5 सन्था मन्त्रार्ध की, 6 सन्था सम्पूर्ण मन्त्र की 3. प्रथम वर्ष से अधीत सभी विषयों की प्रतिदिन न्यूनतम 3 घंटे आवृत्ति करें। 4. सन्था पद्धति से प्रत्येक विषय कण्ठस्थ होने के उपरान्त विद्यार्थी वह विषय गुरु जी को सुनायें। 5. इस वर्ष के पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय की 6 सन्था अध्यापक द्वारा तथा शेष 10 सन्था स्वयं छात्र द्वारा होनी चाहिये।
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	1-2 कंडिका	5	
2	द्वितीय माह	संहिता अध्याय 21 (अनुवाक 5-6) संहिता अध्याय 22 (अनुवाक 1-7)	43	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	3 कंडिका	5	
3	तृतीय माह	संहिता अध्याय 22 (अनुवाक 8-19) संहिता अध्याय 23 (अनुवाक 1-6)	44	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	4-5 कंडिका	5	
4	चतुर्थ माह	संहिता अध्याय 23 (अनुवाक 6-11) संहिता अध्याय 24 (अनुवाक 1)	43	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	6-7 कंडिका	5	
5	पञ्चम माह	संहिता अध्याय 24 (अनुवाक 2-4) संहिता अध्याय 25 (अनुवाक 1-10)	43	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	8 कंडिका	5	
6	षष्ठ माह	संहिता अध्याय 25 (अनुवाक 11-14) संहिता अध्याय 26 (अनुवाक 1)	49	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	9-11 कंडिका	5	
7	सप्तम माह	संहिता अध्याय 26 (अनुवाक 1) संहिता अध्याय 27 (अनुवाक 1-4)	56	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	12-14 कंडिका	5	
8	अष्टम माह	संहिता अध्याय 28 (अनुवाक 1-4)	46	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	15-17 कंडिका	5	
9	नवम माह	संहिता अध्याय 29 (अनुवाक 1-3)	36	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	18-19 कंडिका	5	
10	दशम माह	संहिता अध्याय 29 (अनुवाक 1) संहिता अध्याय 30 (अनुवाक 1-2)	46	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	20-21 कंडिका	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			446 मन्त्र 21 कंडिका	10 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)

संहिता अध्याय 31 से 40 । पारस्करगृह्यसूत्र 3 काण्ड सम्पूर्ण । परिशिष्टोक्तश्राद्धसूत्र । स्नानसूत्र । भोजनसूत्र ।

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम माह	संहिता अध्याय 31-32 सम्पूर्ण	38	5	1. प्रत्येक विषय के कण्ठस्थीकरण के लिये न्यूनतम 16 सन्था करें। 2 पादार्ध, पाद, मन्त्रार्ध और पूर्ण मन्त्र इस क्रम से सन्था करें। उदा. 2 सन्था पादार्ध की, 3 सन्था पाद की, 5 सन्था मन्त्रार्ध की, 6 सन्था सम्पूर्ण मन्त्र की 3. प्रथम वर्ष से अधीत सभी विषयों की प्रतिदिन न्यूनतम 3 घंटे आवृत्ति करें। 4. सन्था पद्धति से प्रत्येक विषय कण्ठस्थ होने के उपरान्त विद्यार्थी वह विषय गुरुजी को सुनायें। 5. इस वर्ष के पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय की 6 सन्था अध्यापक द्वारा तथा शेष 10 सन्था स्वयं छात्र द्वारा होनी चाहिये।
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 3	1-3 कंडिका	5	
2	द्वितीय माह	संहिता अध्याय 33 (अनुवाक 1-2)	29	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 3	4-5 कंडिका	5	
3	तृतीय माह	संहिता अध्याय 33 (अनुवाक 3-4)	25	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 3	6-9 कंडिका	5	
4	चतुर्थ माह	संहिता अध्याय 33 (अनुवाक 5-6)	30	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 3	10-12 कंडिका	5	
5	पञ्चम माह	संहिता अध्याय 33 (अनुवाक 7-8) संहिता अध्याय 34 (अनुवाक 1-2)	33	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 3	13-14 कंडिका	5	
6	षष्ठ माह	संहिता अध्याय 35 सम्पूर्ण	22	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 3	15-16 कंडिका	5	
7	सप्तम माह	संहिता अध्याय 36 सम्पूर्ण संहिता अध्याय 27 (अनुवाक 1-4)	24	5	
		परिशिष्टोक्तश्राद्धसूत्र	1-3 कंडिका	5	
8	अष्टम माह	संहिता अध्याय 37 सम्पूर्ण	21	5	
		परिशिष्टोक्तश्राद्धसूत्र	4-9 कंडिका	5	
9	नवम माह	संहिता अध्याय 38 सम्पूर्ण	28	5	
		स्नानसूत्र	1-3 कंडिका	5	
10	दशम माह	संहिता अध्याय 39, 40 सम्पूर्ण	30	5	
		भोजनसूत्र	1-2 कंडिका	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			280 मन्त्र 30 कंडिका	100 अंक	